निवेशकों की मांग पर एन.सी.आर. में औद्योगिक भूमि उपलब्ध कराएगा रीको

उद्योगों की स्थापना के लिए बीडा 209 हैक्टेयर भूमि रीको को आवंटित करेगा

जयपुर (कासं)। "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024" के उपरांत विभिन्न उद्यमियों और औद्योगिक ग्रुप्स ने एनसीआर क्षेत्र में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की मंशा जाहिर थी। उनकी इस मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने अविलंब भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके उपरांत बीडा द्वारा लगभग 209 हैक्टेयर भूमि रीको को उपलब्ध कराई जायेगी। इस भूमि आवंटन से एक ओर औद्योगिक प्रतिष्ठानों को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध करायी जा सकेगी, दूसरी ओर बीडा को लगभग 110 करोड़ रूपये के राजस्व की प्राप्ति भी होगी, जिसका उपयोग बीडा द्वारा क्षेत्र के विकास एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जा सकेगा। राज्य सरकार के इस कदम से राज्य में औद्योगिक माहौल विकसित करने और 350 करोड़ बिलियन की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी होगी।

- **रीको द्वारा जयपुर के जगतपुरा स्थित अपैरल पार्क में भी किया जाएगा औद्योगिक विकास**

औद्योगिक विकास को गति देने और निवेशकों का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से रीको और जयपुर विकास प्राधिकरण ने अपैरल पार्क, जगतपुरा से संबंधित लंबे समय से चल रही भूमि समस्या का सफलतापूर्वक समाधान कर लिया है। रीको द्वारा मुख्य महल रोड पर अपैरल पार्क की स्थापना वर्ष 2014 में लगभग 122 एकड़ पर की गई थी, जिसमें टैक्सटाइल एवं अपैरल उत्पादों के लिये ही औद्योगिक भूमि का आवंटन किया गया था। खातेदारों द्वारा लंबे समय से उन्हें 25 प्रतिशत विकसित भूमि दिए जाने की मांग की जा रही थी। जेडीए के पास खातेदारों की मांग अनुसार विकसित भूमि दिए जाने हेतु पर्याप्त भूमि की अनुपलब्धता देखते हुए रीको से अतिरिक्त भूमि की मांग की गई थी।

रीको ने एक एमओयू जेडीए के साथ निष्पादित कर मुख्य 160 फीट रोड पर 4.57 हैक्टेयर भूमि खातेदारों से विवाद का समाधान करने के उद्देश्य से जेडीए को हस्तांतरित करने का सैद्धांतिक निर्णय लिया है। जेडीए इस भूमि का उपयोग खातेदारों को दी जाने वाली विकसित वाणिज्यिक भूमि के रूप में कर सकेगा, जिसके लिये जेडीए ने आवश्यक कार्यवाही भी प्रारंभ कर दी है। इस कदम से ना सिर्फ विभिन्न गतिविधियों के लिये भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी बल्कि जयपुर के प्रमुख महल रोड पर अन्य आर्थिक गतिविधियों जैसे सेवा क्षेत्र इत्यादि के लिये भी भूमि उपलब्ध हो सकेगी। गारमेंट एवं अपैरल सेक्टर में मुख्य नियोजन महिलाओं का होता है, इसलिये यहां महिलाओं के लिये भी रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे और ग्लोबल कैपेबिलिटी क्षेत्र, को-वर्किंग सेंटर, वाणिज्यिक परिसर, होटल आदि के निर्माण से पढ़े लिखे युवाओं को भी आने वाले समय में उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के नए अवसर विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हो सकेंगे। इस कदम से उन काश्तकारों ने भी राहत की सांस ली है जो लंबे समय से अपनी भूमि के एवज में विकसित भूमि की मांग कर रहे थे।

लेपर्ड के मूवमेंट के कारण एजी कॉलोनी में दिनभर रही दहशत

वन विभाग की टीम ने बजाज नगर क्षेत्र में सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु लेपर्ड हाथ नहीं लगा

जयपुर । राजधानी जयपुर के बजाज नगर स्थित एजी कॉलोनी में रविवार की देर शाम को लेपर्ड का मूवमेंट होता देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। इसके बाद लोगों ने वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु टीम

- **वन्य अधिकारियों का मानना है कि भोजन-पानी की तलाश में लेपर्ड आबादी क्षेत्र में पहुंचा होगा**

को कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई। रैज ऑफिसर जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सोशल मीडिया से यह विडियो मिलने पर वन विभाग टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि अभी तक लेपर्ड नहीं मिला है।

जानकारी के अनुसार लाल बहादुर कॉलोनी में रविवार को बजाज नगर एन्क्लेव, सरस्वती कॉलोनी और अनिता कॉलोनी के सीसीटीवी फुटेज में लेपर्ड घूमता हुआ दिखाई दिया। जहां लेपर्ड कभी घरों में घुसा,कभी गलियों से निकला। फुटेज वायरल होते ही कॉलोनियों में दहशत फैल गई। लोग सतर्क हो गए और वेलफेयर सोसायटी ने चेतावनी जारी कर दी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। लेकिन लेपर्ड हाथ नहीं आया। रेंज ऑफिसर जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह एक वर्ष से भी कम उम्र का शावक है और अब मॉनिटरिंग टीमें लगातार निगरानी कर रही है। आशंका है कि शावक स्टेशन के पास नाले से होते हुए वापस जंगल की ओर चला गया। उसके जेएलएन रोड पार कर शिक्षा संकुल की ओर से आने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि लंबे समय से एमएनआईटी में भी लेपर्ड की मूवमेंट है।

अनिता कॉलोनी निवासी अरुण कुलश्रेष्ठ ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे बजाज नगर एन्क्लेव कॉलोनी में मॉर्निंग वॉक कर रही एक महिला को लेपर्ड का एक शावक दिखा। उसे देखते ही महिला ने शोर मचाया। जिस पर शावक वहां से भाग गया। इसकी जानकारी आसपास की कॉलोनियों में तेजी से फैल गई। कुछ देर बाद यह शावक सरस्वती कॉलोनी से होता हुआ अनिता कॉलोनी पहुंचा। यहां दो घरों में घुसा, जिसका मूवमेंट सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन केसी अरुण प्रसाद की ओर से गठित क्विक रिस्पॉन्स टीम और रेंजर जितेंद्र सिंह शेखावत की टीम मौके पर लगातार निगरानी कर रही है। टीम आधुनिक तकनीक, ट्रैकर्स और स्थानीय इनपुट की मदद से लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक कर रही है। जानकारी के अनुसार यह पूरा जोन झालाना लेपर्ड सफारी की परिधि से जुड़ा हुआ है। जहां पर करीब 40 से अधिक लेपर्ड रहवास करते हैं। जहां से भोजन और पानी की तलाश में लेपर्ड आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश कर जाते हैं। पिछले कुछ दिनों में शहर के कई हिस्सों में लेपर्ड की मूवमेंट की घटनाएं बढ़ने से वन विभाग भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गौरतलब है कि राजधानी जयपुर में पिछले एक महीने में शहर में कई बार लेपर्ड के रिहायशी इलाकों में आने की घटना हो रही है। इस दौरान लेपर्ड सिविल लाइंस, गुर्जर की घाटी, विद्याधर नगर, शास्त्री नगर, चांदपोल, मोती डूंगरी इलाकों में देखे गए हैं।

राजीविका ग्रामीण उद्यिमता का सशक्त मॉडल : मुख्य सचिव

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार को सांगानेर के ठीकरिया स्थित राजीविका विकास क्लस्टर लेवल फैडरेशन पहुंचे । जहां उन्होंने ब्लू पॉटरी एवं बगरू प्रिंट से जुड़ी लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी आजीविका गतिविधियों के अनुभव जाने।

मुख्य सचिव ने आश्वस्त किया कि राजस्थान की स्वयं सहायता समूहों की इन प्रेरणादायक कहानियों को प्रधानमंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव ने महिलाओं द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की विशेष प्रशंसा भी की। साथ ही सेनेटरी नैपकिन यूनिट का अवलोकन किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का सोमवार को अवलोकन किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने कहा कि ग्रामीण महिलाएँ अपने कौशल एवं परिश्रम से पूर्णत: स्वतंत्र एवं आत्मविश्वासी बन रही हैं। राजीविका प्लेटफॉर्म ने महिलाओं में उद्यिमता को मजबूत आधार प्रदान किया है। राजीविका की महिलाए अपने उत्पाद सीधे ही बड़ी कंपनियों को बेच सकेगी उन्होंने आश्वासन दिया 'बायर सेलर मीट' को और व्यापक स्तर पर बढ़ाया जाएगा । जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम ने निर्देश दिए कि राजस्थली मार्ट की तर्ज पर विभिन्न जिलों में भी महिला उद्यिमयों के उत्पादों के लिए स्थानीय मार्ट स्थापित किए जाएँ, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके। इस मौके पर राजीविका की स्टेट मिशन डायरेक्टर नेहा गिरि, परियोजना निदेशक प्रशासन प्रीति सहित अधिकारी और राजीविका से जुड़ी महिलाएँ उपस्थित रही ।

सांगानेर में पहला राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार "आपणो अग्रणी राजस्थान" के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधि के क्षेत्र में भविष्य बनाने की चाहत रखने वाले युवाओं को राज्य सरकार ने एक नवीन सौगात दी है। सांगानेर क्षेत्र में जयपुर जिले का प्रथम राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ किया गया है।

इस महाविद्यालय में तीन वर्षीय एल.एल.बी. पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा, जिसकी 120 सीटों पर प्रवेश के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति प्राप्त हो चुकी है तथा प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। राज्य सरकार द्वारा विधि महाविद्यालय के भवन हेतु 4.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है तथा शीघ्र ही भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य के लिए टेण्डर जारी कर दिये जायेंगे। स्थाई भवन निर्मित होने तक अस्थाई तौर पर महाविद्यालय का संचालन शहीद पुनीत नाथ दत्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जा रहा है।

- **विधि महाविद्यालय के भवन के लिए 4.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए**

विधि महाविद्यालय के लिए राज्य सरकार ने 19 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। इनमें सहायक आचार्य के सात, कनिष्ठ सहायक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के दो-दो तथा प्राचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षक, सहायक लेखाधिकारी प्रथम, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक एवं बुक लिफ्टर के एक-एक पद शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार और युवाओं को प्रतिस्पर्धी युग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्थापित नवीन विधि महाविद्यालय युवाओं के लिए एक सशक्त मंच साबित होगा। इससे युवा कानूनी शिक्षा ग्रहण कर न्याय और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे सकेंगे।

परिचय सम्मेलन में 20 जोड़े तय

जयपुर । जिला माली (सैनी) समाज संस्था का 32वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 26 जनवरी 2026 को महात्मा ज्योतिबा फूले बहुउद्देश्यीय भवन 5 संस्थानिक क्षेत्र होम्योपैथिक यूनिवर्सिटी के पास सायपुरा सांगानेर में होगा। इसके लिए पहला युवक-युवती परिचय सम्मेलन गजब गांव रिसॉर्ट, हरमाड़ा में हुआ। संस्था अध्यक्ष रोशन सैनी और सामूहिक विवाह संयोजक योगेश तंवर ने यह जानकारी दी।

केन्द्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में राजस्थान हुआ अग्रणी राज्यों में शामिल

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमजन के लिए जो जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं, उनके क्रियान्वयन में राजस्थान अब अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। इसी का परिणाम है कि राज्य नवीकरणीय ऊर्जा, पीएम कुसुम, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ प्रदेश के लोगों को तेजी से मिल रहा है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 1.09 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 441 मेगावाट है। पीएम कुसुम योजना को बीते 2 वर्षों में राज्य सरकार ने मजबूत इच्छाशक्ति के साथ धरातल पर गति दी है। दिसम्बर-2023 में जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की बागडोर संभाली, तब कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी में मात्र 122 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र ही स्थापित हुए थे। विगत दो वर्षों में इस योजना में 2460 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की हैं। इन संयंत्रो से निर्मित ऊर्जा से 1.54 लाख किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध हुई है।

इसी प्रकार राज्य में जल प्रबंधन की दिशा में रामजल सेतु लिंक परियोजना ऐतिहासिक कदम साबित होने जा रही है। इसके तहत 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। इससे भविष्य में राज्य सिंचाई और पेयजल की उपलब्धता में आत्मनिर्भर बन सकेगा। केंद्रीय योजना जल जीवन मिशन ने प्रदेश के लाखों परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया है। गत दो वर्षों में 13 लाख से अधिक घरों में पाइपलाइन से पीने के पानी के कनेक्शन दिए गए हैं, जिसमें 10482 करोड़ रुपये व्यय किये हैं।

प्रदेश में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का दायरा तेजी से बढ़ा है। मात्र 2 वर्षों में ही 30.68 लाख से अधिक मरीजों को 6000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 7.61 लाख आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें 2.06 लाख मकान बन चुके हैं। पीएम मातृ वंदना योजना में प्रदेश की 9.92 लाख महिलाओं को 531 करोड़ रुपए की सहायता राशि मिली। लखपति दीदी योजना से राज्य में 19.45 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण दिया है और 12.06 लाख महिलाएँ आर्थिक रूप से लखपति दीदी बन गई हैं।

"धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष" अभियान के लिए 6019 गांवों का चयन कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका से संबंधित योजनाएं चलाई है। इस अभियान में देशभर में प्रथम स्थान पर रहने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गत दिनों राजस्थान को सम्मानित किया है। पीएम स्वनिधि योजना में मात्र दो वर्षों में ही 87 हजार से अधिक रेहड़ी पटरी व छोटे व्यापारियों को ऋण स्वीकृत किए गए हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 2.13 लाख कारीगरों को प्रशिक्षण तथा 49306 लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया है।

किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के 76.18 लाख किसानों को सिर्फ 2 साल में ही 8359 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में दी।

शिक्षण संस्थानों के आसपास नशा तस्करों के 35 ठिकानों पर दबिश

जयपुर । एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए शिक्षण संस्थानों (कोचिंग-कॉलेज) के पास स्टूडेंट्स को नशे की लत में धकेलने वालों के पैतीस से अधिक ठिकानों पर दबिश देकर बाईस मामले दर्ज कर बाईस आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से 1 लाख 93 हजार 610 रुपए भी बरामद किए हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि काफी समय से जयपुर शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों का अवैध व्यापार की शिकायते मिल रही थी, जिससे विद्यार्थी नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। इस सूचना पर महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार के निर्देशन में एटीएस-एएनटीएफ की पैतीस टीमें गठित कर जानकारी जुटाना शुरू किया। पुलिस महानिरीक्षक एटीएस-एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि मादक पदार्थ तस्कर शिक्षण संस्थानों के पास विद्यार्थियों को मादक पदार्थ देकर नशे की आदत डाल रहे थे। यह एक गंभीर और अनैतिक कार्य है। जो विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। इसकी रोकथाम के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की गई। जहां गठित टीम के पुलिसकर्मियों को संबंधित शिक्षण संस्थानों की वर्दी पहना कर भेजा गया। उन्होंने स्कूल के आसपास वर्दी में ही मादक पदार्थ बेचने वालों की पहचान की और उनके विक्रय स्थलों को चिह्नित किया। इसके बाद एटीएस-एएनटीएफ की टीमों ने इन चिह्नित स्थानों पर जयपुर कमिश्नरेट पुलिस के साथ मिलकर एक ही दिन और समय पर एक साथ दबिश दी गई। इस कार्रवाई में 22 स्थानों से मादक पदार्थ और अवैध शराब बरामद की गई और साथ ही 1 लाख 93 हजार 610 रुपए भी जब्त किए गए। इन बाईस मामलो में 15 मादक पदार्थ से संबंधित थे और 7 अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ थे। इस कार्रवाई में बिना सांसी, सुधीर, पिंकी सांसी, हीरा देवी, सुमन देवी, पारस जैन, राधा सांसी, राजेंद्र आरलो, सीमा सांसी, रमेश सांसी, आरती सांसी, नगीना, पूजा सांसी, मोहित गुर्जर, विकास सांसी, कटिना, मुकेश सिंह, अमर सिंह, संध्या सांसी और राधा किशन सहित बाईस लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि सांगानेर सदर, रामनगरिया, शिप्रापथ, प्रतापनगर, शिवदासपुरा, मुहाना, झोटवाड़ा, चंदवाजी, सांगानेर, नारायण विहार, ट्रांसपोर्ट नगर, बजाज नगर, करधनी और मालपुरा गेट थाने में कुल बाईस मुकदमे दर्ज किए गए।

- **एएनटीएफ-एटीएस ने 22 मामले दर्ज कर 22 आरोपियों को दबोचा, 1.93 लाख रु. के मादक पदार्थ और अवैध शराब बरामद**

कांग्रेसराज में कार्यकर्ताओं और जनता की सुनवाई नहीं थी : दीया कुमारी

डोटासरा जब मंत्री थे, तब उनकी कोई सुनता था या नहीं सुनता था, इसकी मुझे जानकारी नहीं है, परंतु भाजपा सरकार में सबकी सुनी जाती है, अधिकारी करते है कार्य : मंत्री झाबर सिंह खर्रा

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कार्यकर्ता सुनवाई कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बताया कि सुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को भेज दिया गया। कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से दूरभाष पर संवाद कर त्वरित समाधान का प्रयास किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत की।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई प्रारंभ करने का निर्णय सराहनीय है। इससे कार्यकर्ताओं के क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान में तेजी आएगी। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक कार्यकर्ता की समस्या का समाधान किया जाए, क्योंकि पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। उन्होंने बताया कि समस्याओं के निराकरण के लिए नियमित फॉलोअप अत्यंत आवश्यक है, अत: सुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का सतत फॉलोअप किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुनवाई में मंत्रियों के साथ पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित रहते हैं, जो हर दो दिन में प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि हर परिवादी को संतुष्ट कर वापस भेजना हमारा संकल्प है। जहां तुरंत समाधान संभव नहीं होगा, वहां उचित कारण स्पष्ट किए जाएंगे।

- **अब कांग्रेसियों के पेट में क्या दर्द है, इसका मुझे पता नहीं, ना मैं वैद्य हूं, ना चिकित्सक, और ना ही हकीम : खर्रा**

प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में कार्यकर्ताओं की सुनवाई लगभग बंद रही, जबकि भाजपा सरकार में प्रत्येक मंत्री एवं मुख्यमंत्री नियमित रूप से सप्ताह में दो बार जन एवं कार्यकर्ता सुनवाई कर रहे हैं।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं की सुनवाई का नया कार्यक्रम शुरू किया गया है। आज लगभग 150 कार्यकर्ता अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, और सभी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्या सुनी गई। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों, अतिक्रमण, प्रशासनिक समस्याओं सहित विभिन्न विषयों से जुड़े प्रकरण प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित अधिकारियों से टिप्पणी लेकर अध्ययन कर समाधान की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याएं कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचें, इसी उद्देश्य से प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री द्वारा यह व्यवस्था प्रारंभ की गई है।

कांग्रेस पर हमला करते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस बिना पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिए बिना निकाय एवं पंचायत चुनाव करवाना चाहती है तो खुलकर सामने आए। जबकि कोर्ट के स्पष्ट आदेश हैं कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरक्षण लागू किया जा सकता है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अपना कार्य गंभीरता से कर रहा है और विस्तृत प्रक्रिया में समय लगना स्वाभाविक है। पत्रकारों के सवाल के जवाब में खर्रा ने कहा कि डोटासरा जी जब मंत्री थे, तब उनकी कोई सुनता था या नहीं सुनता था, इसकी मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन आज भाजपा के मंत्रियों की सभी अधिकारी सुनते है और उस पर कार्रवाई भी होती है। अब कांग्रेसियों के पेट में क्या दर्द है, इसका मुझे पता नहीं है। ना तो मैं चिकित्सक हूं, ना मैं वैद्य हूं और ना ही मैं हकीम हूं।

भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक ने बताया कि 9 दिसंबर मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा एवं ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर कार्यकर्ता सुनवाई करेंगे। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना और प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यकर्ता अपने मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी अथवा प्रदेश पदाधिकारी से अनुशंसा करवाकर परिवाद कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

सार-समाचार

स्मार्ट इंडिया हैकेथोन का ग्रांड फिनाले

जयपुर । स्किल डवलपमेंट एंड एंटरप्रन्योरशिप से संबंधित जटिल समस्याओं के बेहतर सॉल्यूशन निकालने की जद्दोजहद के बीच सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने की होड़, कुछ ऐसा ही माहौल स्मार्ट इंडिया हेकेथोन 2025 के सॉफ्टवेयर एडिशन के आठवें संस्करण के ग्रांड फिनाले की शुरुआत के अवसर पर सोमवार को मिले। नोडल सेंटर स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एवम ग्रोमोथन में देशभर से आई 25 टीम प्रोब्लम सॉल्यूशन निकालने में जुटी हुई नजर आई। मेंटर्स एवं जज भी विभिन्न टीम के साथ इंटरेक्शन करते हुए उनका हौसला बढ़ाते हुए दिखे। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आरटीयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर निमित रंजन चौधरी ने कार्यक्रम में शिरकत की एवं प्रतिभागियों को प्रेरक उद्बोधन दिया। एसकेआईटी के डायरेक्टर जयपाल मील ने सभी टीम्स के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया और प्रतिभागियो को शुभकामनाएं दी। गेस्ट ऑफ ओनर के रूप में एनसीवीईटी से मनीष कुमार, एआईसीटीई से नोडल सेंटर हेड कमल सिंह एवं अमित परशेट्टी उपस्थित रहे। समाज में आएसकेआईटी संस्था के अध्यक्ष सूरजा राम मील ने तीसरी बार इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 11 राज्यों की 25 टीमें (महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल आदि) पांच एनसीवीईटी प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर कार्य कर रही है, प्रति प्रॉब्लम स्टेटमेंट 1.5 लाख के पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

क्रिएटिविटी के लिए फोटोग्राफर्स सम्मानित

जयपुर । जयपुर फोटोग्राफर्स क्लब (जेपीसी) की ओर से चार दिवसीय फोटोग्राफी एग्जीबिशन रविवार को पुरस्कार समारोह के साथ संपन्न हुई। इस 13वीं वार्षिक फोटो प्रदर्शनी में 4 देशों से लगभग 115 फोटोग्राफर्स की क्रिएटिविटी के लिए सराहा गया। जवाहर कला केंद्र के अलंकार आर्ट गैलरी में आयोजित हुई इस प्रदर्शनी में लैंडस्केप, स्ट्रीट, वाइल्डलाइफ़, पोर्ट्रेट, स्टार ट्रेल्स, लॉन्ग एक्सपोज़र, फैशन, एब्स्ट्रैक्ट, लाइफ़स्टाइल, आर्किटेक्चर और स्टिल-लाइफ़ जैसे विविध थीम्स को शानदार ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान आईआईसीडी जयपुर की डायरेक्टर डॉ. तूलिका गुप्ता, अभिषेक मिश्रा, पवनेश अरोड़ा, सत्य प्रकाश भारती, खुशीराम पांडेय को आभार-स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। प्रथम पुरस्कार हैदराबाद के मुकेश शर्मा, द्वितीय पुरस्कार कोलकाता के अरिजीत गांगुली, तृतीया पुरस्कार जयपुर के प्रीतम पांजा और चतुर्थ पुरस्कार जयपुर के डॉ. मोहनीश ग्रोवर को मिला। क्लस्टर कैटेगिरी में जयपुर के शैलेन्द्र बैस और छात्र वर्ग में जोधपुर की कक्षा 9 की छात्रा अहाना अरोड़ा को सम्मानित किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल राजवीर सिंह चौहान की स्मृति में दिए जाने वाले 'बॉर्न टू फ्लाय अवॉर्ड' महिला फोटोग्राफर्स को प्रदान किए गए, जिनमें प्रथम पुरस्कार जयपुर से दुर्गेश नंदिनी बैस, द्वितीय पुरस्कार जयपुर से प्रियंका कंवरवाल और तृतीय पुरस्कार विजेता एरणाकुलम से गौरी सुगथन नायर रहीं।

मुख्य सचिव ने किया स्कूल का निरीक्षण

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार सुबह विद्यार्थियों के बीच में पहुंचे। उन्होंने पीएम-श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बगरू का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा व सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस निरीक्षण के दौरान इस निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास विभाग की अति.मुख्य सचिव श्रेया गुहा, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल, संभागीय आयुक्त पूनम, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक अशोक कुमार मीणा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय आदि का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से बातचीत की। आईसीटी लैब में उन्हें बताया गया कि छात्राओं को कम्प्यूटर फ्रेंडली बनाया जा रहा है। स्मार्ट क्लास में वीडियो लेक्चर के जरिए भी पढ़ाया जा रहा है।

राजस्थान यूथ फाउंडेशन ने बांटे स्वेटर

जयपुर (कासं)। राजस्थान यूथ फाउंडेशन की ओर से महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल, करीरी में बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। नंदकिशोर सारस्वत श्री डूंगरगढ़ और शकुंतला जोशी जयपुर के सहयोग से विद्यालय के सभी बच्चों को शाला गणवेश के स्वेटर भेंट किए गए। समारोह में राजस्थान यूथ फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मधु अग्रवाल, एडवोकेट रामगोपाल अग्रवाल और वीना अग्रवाल उपस्थित थे। संस्था अभी तक करीब 11 हजार स्वेटर प्रदेशभर के स्कूलों में वितरित कर चुकी है। प्राचार्य दुर्गा वर्मा, मुकेश यादव, कालू राम अटल, गोपाल दास स्वामी ने धन्यवाद दिया।